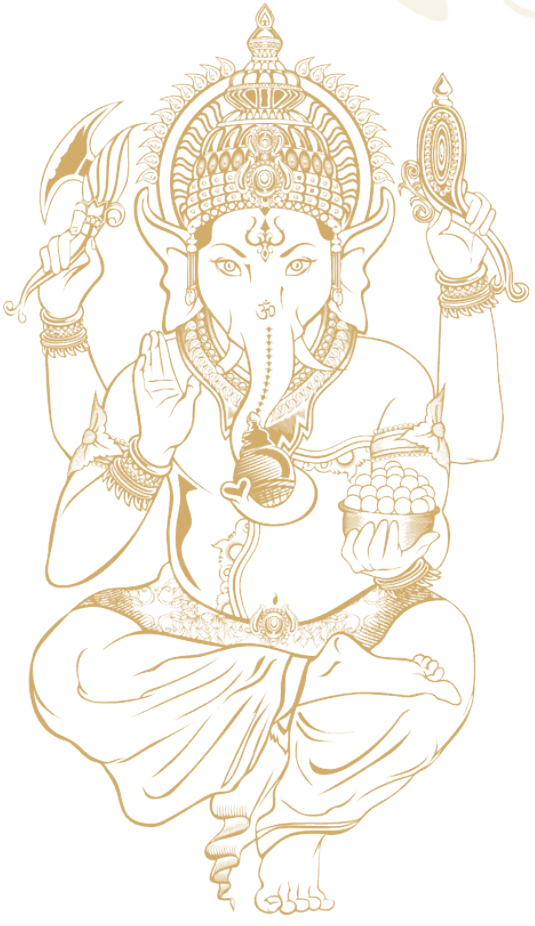

Rakesh kumar

18 Jul 1996

08:20 AM

Fatehpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121001902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/07/1996**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:20:00 घंटे**
इष्ट	06:27:26 घटी
स्थान	**Fatehpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:59:00 उत्तर
रेखांश	75:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:50:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:13 घंटे
साम्पातिक काल	03:34:51 घंटे
सूर्योदय	05:45:01 घंटे
सूर्यास्त	19:26:56 घंटे
दिनमान	13:41:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:57:16 कर्क
लग्न के अंश	04:17:38 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	04:17:38	313:05:30	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	01:57:16	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	28:33:24	11:51:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	स्वराशि
मंगल			मिथु	01:00:02	00:40:55	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	कर्क	09:40:44	02:01:34	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	17:14:22	00:07:13	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	22:15:40	00:30:05	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मीन	13:35:24	00:00:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	17:03:55	00:09:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	17:03:55	00:09:06	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:04:55	00:02:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:34:18	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:40:18	00:00:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	02:13:35	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:36

लग्न-चलित

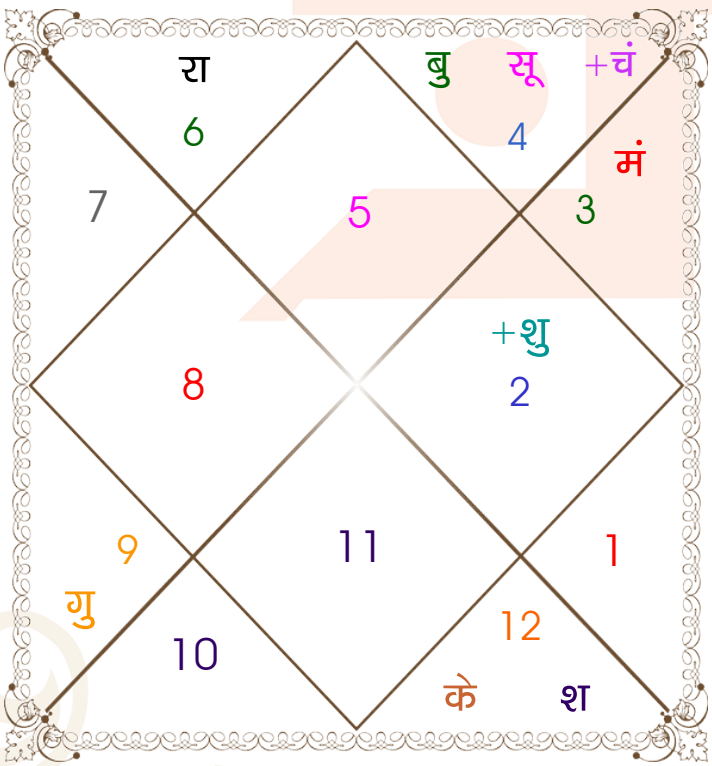

चन्द्र कुंडली

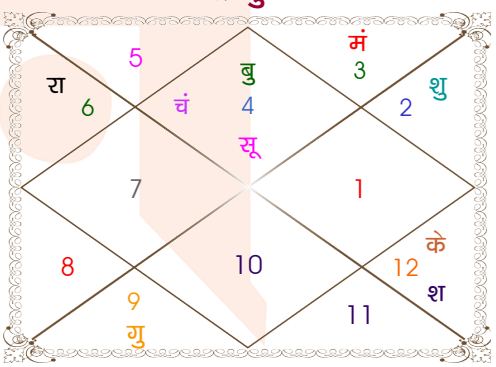

नवमांश कुंडली

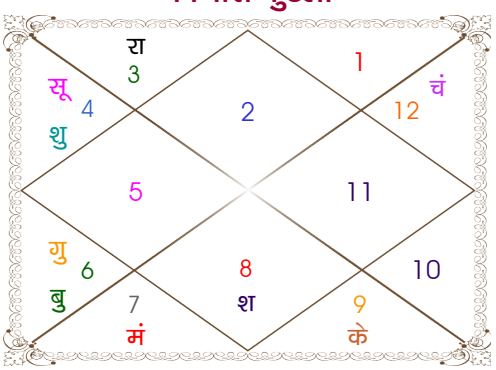

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 10 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/07/1996		21/05/1998		21/05/2005		21/05/2025		21/05/2031	
21/05/1998		21/05/2005		21/05/2025		21/05/2031		21/05/2041	
	00/00/0000	केतु	17/10/1998	शुक्र	19/09/2008	सूर्य	07/09/2025	चंद्र	21/03/2032
	00/00/0000	शुक्र	17/12/1999	सूर्य	19/09/2009	चंद्र	09/03/2026	मंगल	20/10/2032
	00/00/0000	सूर्य	23/04/2000	चंद्र	21/05/2011	मंगल	15/07/2026	राहु	20/04/2034
	00/00/0000	चंद्र	22/11/2000	मंगल	20/07/2012	राहु	08/06/2027	गुरु	20/08/2035
	00/00/0000	मंगल	20/04/2001	राहु	21/07/2015	गुरु	27/03/2028	शनि	21/03/2037
	00/00/0000	राहु	09/05/2002	गुरु	21/03/2018	शनि	09/03/2029	बुध	20/08/2038
	00/00/0000	गुरु	15/04/2003	शनि	21/05/2021	बुध	13/01/2030	केतु	21/03/2039
	18/07/1996	शनि	23/05/2004	बुध	21/03/2024	केतु	21/05/2030	शुक्र	19/11/2040
शनि	21/05/1998	बुध	21/05/2005	केतु	21/05/2025	शुक्र	21/05/2031	सूर्य	21/05/2041

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/05/2041		20/05/2048		21/05/2066		21/05/2082		22/05/2101	
20/05/2048		21/05/2066		21/05/2082		22/05/2101		19/07/2116	
मंगल	17/10/2041	राहु	01/02/2051	गुरु	08/07/2068	शनि	24/05/2085	बुध	18/10/2103
राहु	04/11/2042	गुरु	26/06/2053	शनि	19/01/2071	बुध	01/02/2088	केतु	15/10/2104
गुरु	11/10/2043	शनि	02/05/2056	बुध	26/04/2073	केतु	12/03/2089	शुक्र	15/08/2107
शनि	19/11/2044	बुध	20/11/2058	केतु	02/04/2074	शुक्र	11/05/2092	सूर्य	21/06/2108
बुध	16/11/2045	केतु	08/12/2059	शुक्र	01/12/2076	सूर्य	23/04/2093	चंद्र	20/11/2109
केतु	14/04/2046	शुक्र	08/12/2062	सूर्य	19/09/2077	चंद्र	23/11/2094	मंगल	18/11/2110
शुक्र	15/06/2047	सूर्य	02/11/2063	चंद्र	19/01/2079	मंगल	01/01/2096	राहु	06/06/2113
सूर्य	20/10/2047	चंद्र	02/05/2065	मंगल	26/12/2079	राहु	07/11/2098	गुरु	12/09/2115
चंद्र	20/05/2048	मंगल	21/05/2066	राहु	21/05/2082	गुरु	22/05/2101	शनि	19/07/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 10 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।